clickastro

SERVED OVER 110 MILLION SMILES
SINCE 1984

YEARLY HOROSCOPE 2026

PREMIUM REPORT

नमस्कार,

जैसे की हम एक नए साल में पदार्पण कर रहे हैं, आगामी समय हमारे लिए कैसा होगा यह जानने का यह उचित समय है। क्लिकएस्ट्रो वार्षिक राशिफल वर्ष 2026 में आपके परिवार, स्वास्थ्य, कामकाज, व्यवसाय, धन और जीवन के अन्य पहलुओं से सम्बंधित आपके सवालों के जवाब देने के लिए प्रस्तुत है।

यह व्यक्तिगत वार्षिक राशिफल नए साल 2026 को अधिक सुखद और फलदायी बनाने में आपके लिए आवश्यक मार्गदर्शक सिद्ध होगा। यह वार्षिक भविष्यवाणी और विस्तृत मासिक भविष्यवाणी प्रदान करता है हो आगामी वर्ष में आपका मार्गदर्शन करेगा।

ताजिका पद्धति पर आधारित वर्षफल, आपके जन्म विवरण के आधार पर संक्षिप्त वार्षिक भविष्यवाणी है। मासिक फलादेश आपको आपकी जन्म कुंडली में चंद्र की स्थिति के संदर्भ में सूर्य और गुरु के गोचर के संयुक्त प्रभावों के बारे में बताता हैं। इसके अतिरिक्त, अष्टकवर्ग पद्धति द्वारा आपको हर महीने आपके सामने आने वाली समस्याओं का अधिक विस्तृत और व्यक्तिगत अध्ययन दे पाते है।

हम आशा करते हैं कि यह रिपोर्ट आपके लिए आगामी वर्ष में सार्थक और सुखद वर्षफल प्राप्ति में सहायक होगी!

नाम	:	Rahul Kumar
लिंग	:	पुरुष
जन्म तिथि	:	1 जनवरी, 1989 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	:	12:05:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	:	05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
समय पध्धति	:	Standard Time
जन्म स्थल	:	Delhi NCT India
रेखांश (Deg.Mins)	:	77.13 पूरब
अक्षांश (Deg.Mins)	:	28.40 उत्तर दिशा
अयनांश	:	चित्रपक्ष = 23 डिग्रि. 42 मिनिट. 19 सेकेन्ड.
दशा पद्धति	:	विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
जन्म नक्षत्र	:	हस्त
नक्षत्र पद	:	4
नक्षत्र का देव	:	चन्द्र
जन्म राशी	:	कन्या
राशी का देव	:	बुध
लग्न	:	कन्या

लग्न का देव	:	बुध
तिथि	:	नवमि, कृष्णपक्ष
करण	:	ग्रघभ
नित्ययोग	:	अतीगन्धा
सूर्योदय	:	07:14 AM Standard Time
सूर्योस्त	:	05:35 PM Standard Time
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	:	शनिवार
प्रादेशिक समय	:	Standard Time - 21 Min.

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्र ाकार और आधार नीचे बताये गये है: चित्रपक्ष = 23डिग्रि.42 मिनिट.18 सेकेन्ड.

गृह	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र
ल	कन्या	11:54:15	हस्त
चं	कन्या	22:47:8	हस्त
र	धनु	16:36:51	पूर्वषाढा
बु	मकर	3:18:42	उत्तरषाढा
शु	वृशचिक	23:48:24	ज्येष्ठ
मं	मीन	26:22:59	रेवत्ति
गु	वृषभ	3:2:11	कृत्तिका
श	धनु	11:51:40	मूल
रा	कुंम्भ	14:5:41	शताभिषा
के	सिंह	14:5:41	पूर्व फालगुनी
मा	कन्या	10:11:39	हस्त

राशी

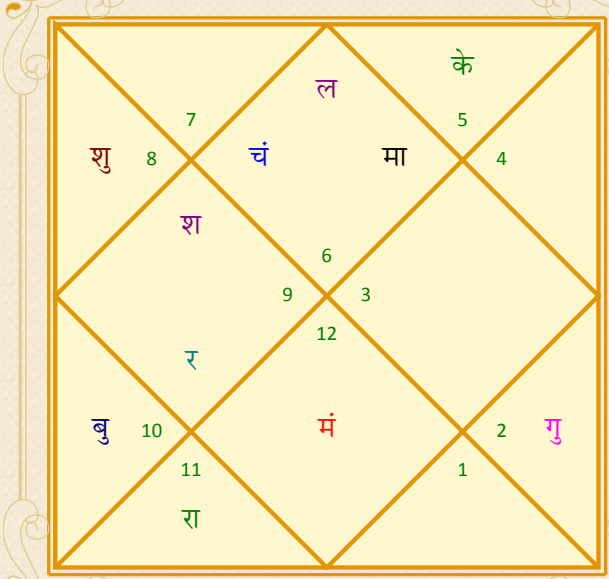

जन्म के समय दशा की समतुलना = चन्द्र 0 साल, 4 महीने, 28 दिन

चं = चन्द्र	र = रवि	बु = बुध	ल = लग्न
शु = शुक्र	मं = मंगल	गु = गुरु	मा = गुलिक
श = शनि	रा = राहु	के = केतु	

वर्षफल

पुरे सालभर में सूरज ज्योतिषचक्रका 360 डिग्री का एक गोल संक्रमण करता है। आपके जीवन कें विशीष्ट साल का परिणाम या प्रतिफलका विश्लेषण करनें हेतू, जन्मकुंडली उस वक्त निकाली है जहा संक्रमण करता हुआ सूरज वहा है जहा वो आपके जन्म समय था। इस जन्मकुंडलीका विशीष्ट साल कें लिए आपके जीवन कें प्रासंग और भविष्यवाणी बताने हेतू उपयोग किया जाता है। वार्षिक या प्रगतीशील जन्मकुंडली यह पश्चिमी ज्योतीषशास्त्र कें सिडेरियल सोलर रिटर्न चार्ट जैसी ही है।

वर्षफल कों तजाका या ज्योतीषशास्त्र की ताजिक प्रणाली कें रूप में जाना जाता है। बहोत लेखको में सें, निलकंठ और केशव यह जो बहोत बडे लेखक है जिन्होनें ताजिक प्रणाली पर अच्छा लिखा है।

यहा दिया गया वार्षिक जन्मकुंडली विश्लेषण और भविष्यवाणी ताजिक प्रणाली कें तत्वोंपर आधारित है। वर्षफल को नये साल में प्रावेश ऐसे कहा जाता है और उसका बहोत बडा महत्व है। यह पुरातन किताबों या ग्रंथो में सूझायें विस्तृत पद्धती सें यह निकाला गया है। आपकें जन्मके सप्ताह का दिन, वर्षफल कें रूप में जाना जाता है। वार्षिक कुंडली कें लग्न के अलावा, जिसकों वर्ष लग्न कहा जाता है और एक महत्वपुर्ण परिणाम होता है जिसें मुंथा, मुंथा स्वामी और वर्ष स्वामी कहा जाता है।

परासरा प्रणाली और वर्षफल अंतर्गत जन्मकुंडली का निर्णय लेने हेतू, नियमों में बहोत बडा अंतर या असमानता है। दो प्रणाली में

पैलू और मेल इनके नियमों का संच अलग-अलग होता है। परासर प्रणाली में शब्दबला के अलावा पंचवर्गीय बला सें ग्रहो का सामर्थ्य निर्धारित होता है।

पूर्ववर्ती विश्लेषण में, विविध घटकों कें परिणाम कभी कभी प्रतिकूल रहते है और कभी कभी अनुकूल होते है। कुछ अशुभ परिणाम शुभ परिणामों सें नष्ट होते है, बहोत समय इसका पुरे सालभर में आप या कुछ समय में अनुभव लेंगे। पुरे सालभरका कुल निर्णय हर एक वार्षिक भविष्यवाणी कें अंत में दिया जाता है।

कृपया ध्यान रखें , वर्षफल अवधि में वर्षप्रवेश कें दिन सें संपुर्ण साल समाविष्ट किया जाता है, जो लगभग एक जन्मदिन सें दुसरे जन्मदिन तक रहता है।

यहा दियी गयी भविष्यवाणी भाग्य का दर्शक है और आप आपके परिश्रम, इच्छा-शक्ति और भगवान का आशिर्वाद इससें कठिन समय पर निश्चीत रूप से विजय प्राप्त कर सकते है।

Year : : 38

वर्षप्रवेश

दिनांक : 1-January-2026

समय : 11.43.60 AM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:चित्रपक्ष = 24डिग्रि.13 मिनिट.18 सेकेन्ड.

गृह	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र
ल	मीन	8:6:48	उत्तर भद्रपाढा
चं	वृषभ	16:23:36	रोहिणी
र	धनु	16:36:41	पूर्वषाढा
बु	धनु	4:49:35	मूल
शु	धनु	15:18:42	पूर्वषाढा
मं	धनु	18:39:56	पूर्वषाढा
गु	मिथुन	27:6:7	पुर्नवासु
श	मीन	1:57:38	पूर्व भद्रपाढा
रा	कुंम्भ	17:56:6	शताभिषा
के	सिंह	17:56:6	पूर्व फालगुनी
मा	कुंम्भ	15:48:6	शताभिषा

वार्षिक कुंडली

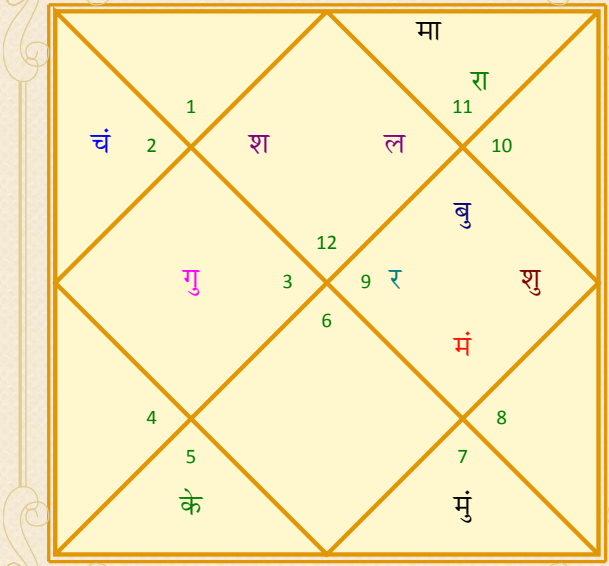

मुंथा : तुला

चं = चन्द्र	र = रवि	बु = बुध	ल = लग्न
शु = शुक्र	मं = मंगल	गु = गुरु	मा = गुलिक
श = शनि	रा = राहु	के = केतु	मुं = मुंथा

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	5	0	0	0	0	0	0
दुसरा तीव्रता	5	0	0	0	0	0	0
तीसरा तीव्रता	5	5	0	0	5	5	5
चौथी तीव्रता	0	5	0	0	5	5	0
सभी मिलाकार	15	10	0	0	10	10	5
शक्ती	पुरा	मध्यम	कुछ नही	कुछ नही	मध्यम	मध्यम	कमजोर

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	15.0	7.5	7.5	7.5	7.5	7.5	7.5
उच्च	18.512	7.401	11.13	8.701	15.63	19.122	5.338
हड्डा	7.5	3.75	3.75	15.0	3.75	3.75	3.75
द्रिख्खन	10.0	5.0	10.0	5.0	5.0	2.5	10.0
नवांश	2.5	5.0	1.25	1.25	1.25	1.25	3.75
सभी मिलाकार	53.512	28.651	33.63	37.451	33.13	34.122	30.338
विमसोपका	13.378	7.163	8.408	9.363	8.283	8.531	7.585
शक्ती	पूरा	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम	मध्यम

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	ग्रह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नहीं
मुंथा स्वामी	शु	9.363	प्रतिकूल	हां
जन्म लग्न स्वामी	बु	8.408	प्रतिकूल	हां
वर्ष लग्न स्वामी	गु	8.531	प्रतिकूल	हां
त्री-राशी स्वामी	चं	13.378	मैत्रीपूर्ण	हां
दिन-रात्री स्वामी	गु	8.531	प्रतिकूल	हां

पात्र ग्रहों के बिच, चन्द्र इसे उची तीव्रता है

चन्द्र को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

मुंथा आठवें स्थान में है इसलिए आपके प्रियजनों को बिमारी हो सकती है। आपको ऐसे चिन्ह दिखें तो उसपर ध्यान दें। आपके डॉक्टर सें जल्द ही संपर्क करें। यात्रा करते समय और धार वाली चिजें संभालते समय ध्यान रखें। आप पैसो के बारे में भाग्यशाली रहेंगे। आप लंबे अंतर यात्रा कर सकते है। फिर भी आशा और प्रार्थना सें इस साल अडचनों का सामना करें। ध्यानधारना करने सें (मेडीटेशन) आपका तनाव दुर होगा।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

इस उदाहरण में, मुंथा अशुभ स्थान पे है फिर भी, मुंथा स्वामी अच्छे स्थान पर है। इससे मुंथा के बुरे परिणाम कम होते है। और, इस साल दौरान, कुछ तरक्की भी हो सकती है।

मुंथा स्वामी दसवे स्थान मे है। इस साल, आप अच्छा कैरियर कर सकते है। आपकी आमदनी बढेगी। या फिर आप अपेक्षा कर रहे पेन्शन या एरियर्स आपको प्राप्त होगी। नयी संपत्ती या मौल्यवान चिजें प्राप्त करने का आपको हरएक अवसर प्राप्त होगा। आपके हरएक प्रयास को आपको सफलता ही प्राप्त होगी।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

चंद्रमा साल का स्वामी है और वह बलवान है। यह साल आपकी आमदनी बढायेगा। आपका परिवार आपको खुश रखेगा। आप परिवार और मित्रों में प्रसिद्ध पुरूष रहेगें। काम में या फिर सामाजिक-सांस्कृतिक संघटन में जहाँ आप कार्य करेंगे वहाँ आपका स्थान बढता जायेगा।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

ज़न्म लग्न वार्षिक सातवां स्थान है। आगे के कुछ महिनों में, आप कुछ शुभ समारंभ का हिस्सा हो सकते है। जीवन में विवाह या रोमांस होने का यह अच्छा समय है। आप नये संबंध विकसीत करेंगे जो आपके लिए मदतपूर्ण साबित होंगे।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा तीसरे स्थान में है। इससे भाईयों सें लाभ, गोपनिय आनन्द, अच्छा उत्पन्न और प्रतिष्ठा में बढती इनकी संभावना है।

सुर्य दसवे स्थान में है। इससे संपत्ति प्राप्ती, जमीन और क्षेत्र की प्राप्ती और अच्छे निर्णय इन सबकी संभावना है।

बुध नौवे स्थान में है। गाडी होने सें आराम, बच्चो के लिए अच्छा उत्पन्न और कर्मचारीयों को सफलता प्राप्त होगी।

शुक्र दसवे स्थान में है। इससे कार्यक्षमता और क्षमता में सुधार, मालमत्ता की प्राप्ती, गार्डनींग का आनन्द और उचा स्थान प्राप्ती होगी।

मंगल दसवे स्थान में है। इससे नया काम और मशीनरी से अच्छा उत्पन्न और अच्छा उत्पन्न स्तर मिलेगा।

गुरू चौथे स्थान में है। इससे गाडी की बिक्री और लाभ के साथ नयी गाडी की खरिददारी, सभी ओर का आनन्द और अधिकारी पक्षों से लाभ, नये उपक्रम में सफलता इनकी संभावना है।

शनी पहिले स्थान में है। इससे स्वास्थ्य की अडचनें, शासन सें अडचनें, साथी या प्रेमी सें तनाव, बाधाएं और उदासी की संभावना है।

राहु बारहवें स्थान में है। इससे नोकरी या निवासस्थान में बदलाव, सामाजिक रिवाजका अनादर, विनसनीय नौकर का मृत्यु या

सहकारी का मृत्यु, पेट और कानो की समस्या और आपके स्वतंत्रता पर बंधन की संभावना है।

केतु छठे स्थान में है। इससे शिक्षण केंद्र की शुरूवात, घर में आनन्द, लोगो में प्रतिष्ठा, समाज में आदर, सभी मामलों में तरक्की हो सकती है।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	अनुकूल
रवि	अनुकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	अनुकूल
मंगल	अनुकूल
गुरु	अनुकूल
शनि	प्रतिकूल
राहु	प्रतिकूल
केतु	अनुकूल

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः अनुकूल

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	प्रतिकूल
मुंथा स्वामी	अनुकूल
वर्षे नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	अनुकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींग - 80 %

80%

मासिक फलादेश

निम्नलिखित मासिक फलादेश आपकी जन्म कुंडली में चंद्र के संदर्भ में सूर्य और गुरु की वर्तमान स्थिति पर विचार करके किया गया है। एक राशि से दूसरी में भ्रमण करने के लिए सूर्य लगभग एक महीने का समय लेता है, जबकि गुरु को लगभग एक वर्ष का समय लगता है। सूर्य के संचार के प्रभाव को हालांकि सामान्य ही माना जाता है, परन्तु हमने यहां जिस राशि से सूर्य संचार कर रहा है, उस राशि के सर्वाष्टकवर्ग बिंदुओं की गणना करके भविष्यवाणियों को और अधिक वैयक्तिकृत किया है। संचार भविष्यवाणियों में अष्टकवर्ग गणना की भूमिका महत्वपूर्ण है, जो आपके जन्म कुंडली में ग्रहों की स्थिति के आधार पर अंको की एक पद्धति से किया जाता है। यह मासिक रिपोर्ट सूर्य और गुरु दोनों के प्रभावों का एक संयोजन है, जो आपको एक बेहतर वर्ष के लिए मार्गदर्शन करेगी।

सर्व अष्टकवर्ग कुंडली

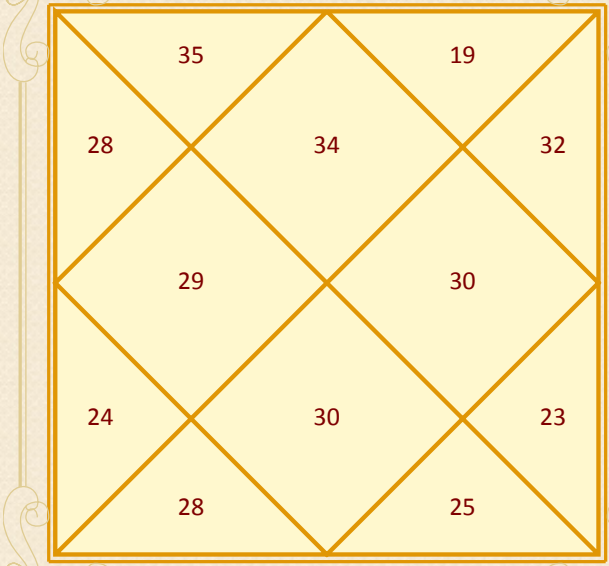

14-1-2026 >>>> 13-2-2026

सूर्य का गोचर राशि : मकर (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 24)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह सौर भ्रमण संतान और उत्पादनशील उपक्रमों के कारक पंचम भाव को प्रभावित कर रहा है। दोनों विषयों को लेकर चिंताएं हो सकती हैं, इसलिए आपको बेहद सतर्क रहने की आवश्यकता है। चूँकि, सूर्य यहां निर्बल हैं, समूह और संघ से संबन्धित भी कई कठिनाइयाँ आ सकती हैं। विकास अवरुद्ध रहेगा, इसलिए विद्वतापूर्वक नियोजन करें। किसी भी

हानी की आशंका वाले सौदे से बचें। अन्यथा यह आपकी प्रतिष्ठा के लिए घातक हो सकता है। आपके अपने सगे-संबंधियों के साथ कुछ विवाद हो सकते हैं, जो चिंता का विषय होगा। यह किसी भी प्रकार के अचल संपत्ति के सौदों के लिए उचित समय नहीं है।

13-2-2026 >>>> 15-3-2026

सूर्य का गोचर राशि : कुंभ (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 28)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह अवधि प्रमुखता से ध्यान, वर्चस्व और अहंकार को इंगित करती है। आप कर्ज, रोग और शत्रुओं का सामना कर रहे होंगे। आप यथार्थवादी हैं और आप स्थितियों की वास्तविकता को समझेंगे। आपके शत्रु परास्त होंगे वाणी को नियंत्रित कर कलह और तनावपूर्ण स्थिति का सामना करें। आप किसी भी स्तिथि को योग्यता से संभालेंगे। कुछ छोटे-मोटे शारीरिक विषय हो सकते हैं, परंतु आप उन पर काबू पा लेंगे। आप नई परियोजनाओं में संलग्न रहेंगे। केवल कड़ी मेहनत ही आपको सफलता की ओर ले जाएगी। आपका दार्शनिक दृष्टिकोण सहयोगियों और अधिकारी वर्ग से आपके व्यवहार में दृष्टिगोचर होगा। यदि नौकरी में परिवर्तन चाहते हैं तो यह समय उचित है। अपनी अपेक्षाओं को सीमित रखना हितकर होगा।

15-3-2026 >>>> 14-4-2026

सूर्य का गोचर राशि : मीन (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 30)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

यह सौरभ्रमण आपसी सम्बन्धों को प्रभवित करेगा। आपके जीवन और आपके भौतिक गुणों में अहंकार प्रखरता से परिलक्षित होगा। यह स्वयं-मूल्यांकन करने और सुधारात्मक उपाय करने का समय है। रिश्तों में आने वाले मनमुटाव सावधानी से संभालना चाहिए। कार्यक्षेत्र में नए करार और अनुबंध मिल सकते हैं। शत्रुओं से सावधान रहें और निजी जानकारी किसी से भी साझा न करें। अपने रिश्तों में न्यायसंगत रहें। आपका दार्शनिक दृष्टिकोण सहयोगियों और अधिकारी वर्ग से आपके व्यवहार में दृष्टिगोचर होगा। यदि नौकरी में परिवर्तन चाहते हैं तो यह समय उचित है। अपनी अपेक्षाओं को सीमित रखना हितकर होगा।

14-4-2026 >>>> 15-5-2026

सूर्य का गोचर राशि : मेष (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 25)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

सूर्य आपके वित्त को बहुत अधिक प्रभावित करेगा। आपकी आर्थिक जरूरतें बहुत अधिक होंगी, और आपके पास धन की कमी हो सकती है। इसलिए जितना हो सके आपको बचत करने के बारे में विचार करना चाहिए। व्यावसायिक परिवेश में आपको सजग रहना होगा। कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियाँ आ सकती है, इसलिए आपको सचेत रहना होगा। घर में आप निर्माण और मरम्मत करने के बारे में सोच सकते है। पारिवारिक संपत्ति पर बहस हो सकती है, इसी सिलसिले में बैठकें भी होंगी। परिवार में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर आपको बहुत सावधान रहना होगा क्योंकि, उन्हें अधिक देखभाल की आवश्यकता होगी।

15-5-2026 >>>> 15-6-2026

सूर्य का गोचर राशि : वृषभ (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 23)

गुरु का गोचर राशि : मिथुन

सूर्य संचार का विदेश यात्राओं और सहयोग पर प्रभाव पड़ेगा। लंबी यात्राओं और सहयोग में काफी जटिलताएं हो सकती हैं। कई अलग-अलग कार्यों पर काम करना शारीरिक परेशानी का कारण हो सकता है, इसलिए आपको बहुत सावधान रहना होगा। गलत धारणा वाले आध्यात्मिक लोग संपर्क में आ सकते हैं। कृपया अपने सहकर्मियों और प्रबंधकों के साथ सुयोचित व्यवहार करें; अन्यथा, आपको लंबे समय तक संघर्ष का सामना करना पड़ेगा। बहुत व्यस्तता के चलते आपको घर और परिवार के बीच संतुलन बनाना होगा। नौकरी से जुड़े मामलों के लिए यह बहुत अच्छा चरण नहीं है।

15-6-2026 >>>> 16-7-2026

सूर्य का गोचर राशि : मिथुन (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 30)

गुरु का गोचर राशि : कर्क

यह अवधि आपके कारकिर्दगी पर केंद्रित होगी। आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में संतुलन बनाएं रखना होगा। आपको अपने कार्यकारी पक्ष पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी। अपने वरिष्ठों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखें। वेतन में बढ़ोतरी हो सकती है। पारिवारिक मामलों के निर्णय घर के सदस्यों से चर्चा के बाद ही लें। जमीन जायदाद के लेन-देन में सावधानी बरतें। घर का नवीनीकरण और जीवन शैली में सुधार किया जा सकता है। बुजुर्ग

महिला सदस्यों को देखभाल की जरूरत पड़ सकती है। गुरु के शुभकारी प्रभाव से आपके आशावाद और विद्वता को बल मिलेगा। नए मित्र मिलेंगे नए संघ और नई परियोजनाओं में काम के अवसर आएंगे। आप परोपकारी कार्यों में संलग्न होंगे। आप भौतिक सुखों का उपभोग करेंगे और प्रणय संबंधी उद्यमों से सुख प्राप्त होगा।

16-7-2026 >>>> 17-8-2026

सूर्य का गोचर राशि : कर्क (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 32)

गुरु का गोचर राशि : कर्क

यह अवधि दानधर्म और सामूहिक कार्यों पर केंद्रित होगी। सट्टा कारोबार सावधानी से करें। आप समान विचारधारा वाले लोगों, बच्चों और धर्मादाय कार्यकारियों के साथ जुड़ेंगे और साथ काम करेंगे। अपने वरिष्ठों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखें। धनार्जन होगा। अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से सफलता मिलेगी। उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आपकी रुचि विकसित हो सकती है। वित्तीय लाभ और नफा आपकी जीवनशैली को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। आप अपने परिवार के साथ खुश रहेंगे। गुरु के शुभकारी प्रभाव से आपके आशावाद और विद्वता को बल मिलेगा। नए मित्र मिलेंगे नए संघ और नई परियोजनाओं में काम के अवसर आएंगे। आप परोपकारी कार्यों में संलग्न होंगे। आप भौतिक सुखों का उपभोग करेंगे और प्रणय संबंधी उद्यमों से सुख प्राप्त होगा।

17-8-2026 >>>> 17-9-2026

सूर्य का गोचर राशि : सिंह (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 19)

गुरु का गोचर राशि : कर्क

गुरु के गोचर के कारण आपकी लंबी अवधि की परियोजनाएं बहुत महत्वपूर्ण होंगी। आपके पास नए समूह उद्यम प्रस्ताव होंगे, परंतु आपको सावधान रहना चाहिए क्योंकि गुरु को यहां पर्याप्त बल नहीं मिल रहा है। किसी भी दीर्घकालिक उद्यम को शुरू करने के लिए यह अच्छा समय नहीं है। तकनीकी संचार क्षेत्र से भी दीर्घकालीन परियोजनाओं पर काम करने के मौके आपको मिल सकते हैं। बच्चों की उन्नति या सुधार और युवा समूहों के उत्थान के लिए आप काम करेंगे। सौरभ्रमण आपकी भावनात्मक जरूरतों को प्रभावित कर रहा है, इसलिए आपको सभी विवादों से दूर रहने की जरूरत है।

17-9-2026 >>>> 17-10-2026

सूर्य का गोचर राशि : कन्या (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 34)

गुरु का गोचर राशि : कर्क

यह गोचर काल नए अनुभवों की शुरूआत करेगा। यात्राओं की आदत से ग्रस्त लोग नयी यात्राओं पर जाएंगे। प्रेम संबंध अपना रास्ता खोज लेंगे तथा आपके और आपके साथी के बीच समन्वय बढ़ेगा। अहितचिंतक रिश्तेदारों, गलत दोस्तों और विवादों से दूर रहें। ऐसे मौके आएंगे जिनमें आप सभी कठिनाइयों को सफलतापूर्वक पार करेंगे और विजयी होंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आहार और व्यायाम की उपेक्षा न करें। गुरु के शुभकारी प्रभाव से आपके आशावाद और विद्वता को बल मिलेगा। नए मित्र मिलेंगे, नए संघ और नई परियोजनाओं में काम के अवसर आएंगे। आप परोपकारी कार्यों में संलग्न होंगे। आप भौतिक सुखों का उपभोग करेंगे और प्रणय संबंधी उद्यमों से सुख प्राप्त होगा।

17-10-2026 >>>> 16-11-2026

सूर्य का गोचर राशि : तुला (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 35)

गुरु का गोचर राशि : कर्क

इस सौरभ्रमण में आप सामाजिक क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय होंगे। नए लोगों से संपर्क करते समय सचेत रहें। उनके इरादों को जानने का प्रयास करें। व्यापार की योजनाएं अपने तक ही सीमित रखें। लोग आपकी बुद्धिमत्ता की प्रशंसा कर आपकी सलाह मांगेंगे पर अपने विचारों को बहुत अधिक प्रगट ना करें। नए निवेश के लिए यह समय अच्छा है। हालाँकि, अनपेक्षित हानी की आशंका है, बच कर रहें। अनायास और तुरंत लाभ के मोह से दूर रहें। खरीद और अधिग्रहण अभी स्थगित रखें। मानसिक तनाव से बचने के लिए अप्रिय लोगों से दूर रहें। गुरु के शुभकारी प्रभाव से आपके आशावाद और विद्वता को बल मिलेगा। नए मित्र मिलेंगे नए संघ और नई परियोजनाओं में काम के अवसर आएंगे। आप परोपकारी कार्यों में संलग्न होंगे। आप भौतिक सुखों का उपभोग करेंगे और प्रणय संबंधी उद्यमों से सुख प्राप्त होगा।

16-11-2026 >>>> 16-12-2026

सूर्य का गोचर राशि : वृश्चिक (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 28)

गुरु का गोचर राशि : सिंह

यह गोचर अवधि आपको आत्मविश्वासी और साहसी बनाएगी। जीवन में सुधार के साथ साथ आपको अनुकूल परिणाम देखने को मिलेंगे। इस अवधि में ऋणों का भुगतान संभव है। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ और सक्रिय रहेंगे। आप उन उपक्रमों पर समय बिताएंगे, जिनसे आपको

फायदा होगा। आप धर्मादाय और परोपकारी कार्यों में संलग्न रहेंगे, जिससे आपको लोकप्रियता और प्रतिष्ठा मिलेगी। आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन प्राप्त करेंगे यह आपके प्रगति में भी सहायक होगा। आप यात्रा योजनाओं में व्यस्त रहेंगे, जो कार्य पुरस्कार स्वरुप आपको मिलेगी। इस अवधि में संभावित व्यय और अनावश्यक खर्च सीमित रखना हितकर होगा। परिस्थितियों का व्यावहारिक विश्लेषण प्रतिकूल परिस्थितियों को सरलता से दूर करने में मदद करेगा। जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण आध्यात्मिक बनेगा। यह योग, ध्यान और अन्य चिकित्सा पद्धतियों का अवलंब करने के लिए उचित समय है।

16-12-2026 >>>> 14-1-2027

सूर्य का गोचर राशि : धनु (सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 29)

गुरु का गोचर राशि : सिंह

यह सौरभ्रमण अवधि पारिवारिक मामलों को उजागर करेगी। आप बुजुर्ग पुरुष सदस्यों के सहयोग और देखभाल में सम्मिलित होंगे। अपने परिजनों के साथ सौहार्दपूर्ण और अनुरागशील संबंध बनाए रखें, विशेषतः महिला सदस्यों के साथ। आर्थिक और शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता हैं। आप उन्हें सफलतापूर्वक पार करेंगे। परिवार के सदस्यों को आपके सहयोग की आवश्यकता हो सकती है, खासकर बुजुर्ग सदस्यों को। गृह सुधार या सजावट की जरूरत पड़ सकती है। इससे न केवल घर बल्कि परिवार के सदस्यों का जीवन भी अधिक सुविधापूर्ण हो जाएगा। विवादों का यथासमय निपटारा किया जाएगा। इसमें पैतृक संपत्ति की विरासत सम्मिलित हो सकती है। इस अवधि में संभावित व्यय और अनावश्यक खर्च से बचें। परिस्थितियों का व्यावहारिक विश्लेषण प्रतिकूल परिस्थितियों को सरलता से दूर करने में

मदद करेगा। साथ ही यह जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण आध्यात्मिक बनाएगा। यह योग, ध्यान और अन्य चिकित्सा पद्धतियों का अवलंब करने के लिए उचित समय है।

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.

With best wishes : Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.
First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032
Phone:+91(India) 6366920680
E-mail:support@clickastro.com

clickastro
#FuturePositive

YearGuideNY 3.0.4 Build 19 Server Edition